ग्रहों का खेल

यह राशिफल गोचर के अनुसार दिया जा रहा है अर्थात् हर राशि पर भ्रमणशील ग्रहों का क्या प्रभाव होगा, इसके बारे में विवेचन कर आपको आने वाले समय के बारे में सावधान किया जा रहा है जिससे आप जागरुक रहें। यदि समय खराब आ रहा है तो सावधान रहे एवं अनुकूल समय आ रहा हो तो अधिक परिश्रम कर उस समय का लाभ उठायें।

हमारा ध्येय यही है कि आप इस विज्ञान का उपयोग कर दूसरों से रहे हमेशा दो कदम आगे और आगे...हमेशा।

मेष

नामाक्षर : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

अनुकूल दिवस-1,2,3,6,7,8,9,10,11,12,13,15,16,17,18,19, 20,21,23,24,25,26,27,28,29,30

प्रतिकूल दिवस- 3,4,5,13,14,15,21,22,23

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 25 जुलाई से 21 सितम्बर तक 56 दिन की बुध की दशा भोग रहे हैं जो सुखकारक समय है। इसके पश्चात् 27 अक्टूबर तक 36 दिन की शनि की दशा रहेगी जो पीड़ाकारक समय होगा।

उपलब्धियां भविष्य के प्रति आपमें ज्यादा आत्मविश्वास पैदा करेगी और स्वयं पर आपका भरोसा बिना किसी भय के आपको तनावमुक्त करेगा। आपके मित्र भी आपको सिर से जरा बोझ हल्का करने और खुल्ले दिल से सुखों को गले लगा लेने की सलाह देंगे। अपने घमण्ड व अहंकार को नियन्त्रण में रखने की आवश्यकता है। आपकी लोकप्रियता पेशागत व व्यक्तिगत साख में काफी ईजाफा होगा। विवादों की स्थिति में लोगों से तीखी, कड़वी बातें कहकर समस्याओं को स्वयं ही आमंत्रित करेंगे। विवादों को कूटनीति व उत्तरदायित्व से हल कर सकते हैं। आपको मित्रता व बाहरी सामाजिक जीवन का लुत्फ लेने के लिये समय की जरूरत होगी। आप स्वयं को टीम वर्क में शामिल करें और पारस्परिक समझदारी कायम करें और दूसरों को भी अपने मतभेद जाहिर करने का अवसर प्रदान करें।

वृषभ

नामाक्षर : ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

अनुकूल दिवस- १,२,३,४,५,8,9,10,11,12,13,14,15,17, 18,19,20,21,22,23,26,27,28,29,30

प्रतिकूल दिवस- 6,7,8,15,16,17,23,24,25

राशि अनुसार दशा- आप 25 अगस्त से 22 अक्टूबर तक 56 दिन की बुध की दशा भोग रहे हैं जो सुखकारक समय है।

आप में नेतृत्व करने व दूसरों से ज्यादा प्रभावी होने व ऊपर उठने की चाहत होगी। चूंकि आप ऊर्जा से भरे हैं और सफलता प्राप्त करना चाहते हैं व सामान्यतः दुनिया में सफलता की माप ठोस भौतिक उपलब्धियों से होती है और आप पैसा का मोल पहचानते हैं। आप इस समय फंड, कर्ज, खरीदना, बेचना, निवेश करना व सर्राफा बाजार में दांव लगाने के लिए उत्साहित होंगे। इन सबसे आपको पैसे की प्राप्ति होगी। आपको वित्त अधिकार वाली वस्तुओं और निवेशों को संभालने वाली योग्यता बढ़ानी होगी। आने वाले समय में यह सभी महत्वपूर्ण होंगे। लेकिन पैसे के पीछे अंधाधुंध भागना परिवार व दाम्पत्य जीवन में कुछ दूरी बढ़ायेगा। यह आपके ऊपर है कि आप दोनों के बीच कितना तालमेल बिठाने में सफल होते हैं।

मिथुन

नामाक्षर : का, की, कू, घ, ड़, छ, के, को, हा

अनुकूल दिवस-1,2,3,4,5,6,7,8,11,12,13,14,15,16,17,19,20,21,22, 23, 24,25,28,29,30,

प्रतिकूल दिवस-8,9,1017,18,19,26,27,

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप 27 अगस्त से 25 सितम्बर तक 28 दिन की मंगल की दशा भोग रहे हैं जो दुःख कारक समय है। इसके पश्चात् 20 नवम्बर तक 56 दिन बुध की दशा होगी जो सुखकारक समय होगा।

व्यक्तिगत और पारिवारिक दोनों तरह के संबंधों के क्षेत्र में आप मायूस होंगे। और ये आपके अपने रवैये या कहें कि आपके आदर्शों की वजह से होंगे। इस रवैये में आपका खीझ भरा व्यवहार और आपका कठोर स्वभाव मुख्य वजह होंगे। आप अपने पेशे, व्यवसाय में भी पूर्ण संतुष्टि का अभाव महसूस करेंगे। जिंदगी का खेल इस वक्त आपको बेहद प्रभावित करेगा। तुच्छ किस्म की व्यक्तिगत निराशायें, सामाजिक स्तर पर कुछ अड़चनें, रूकावटों का आपको सामना करना होगा। आप अपना दिमाग शांत रखें और तनावपूर्ण स्थिति में संतुलन न खोयें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें अन्यथा स्वास्थ्य दगा दे सकता है। इस समय आप अपने उद्देश्यों और मनःस्थिति का मूल्यांकन करने और इसमें संभावनायें तलाशने के लिए प्रयासरत होंगे।

कर्क

नामाक्षर : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

अनुकूल दिवस- 3,4,5,6,7,8,9,1013,14,15,16,17,18, 19,21,22,23,24,25,26,27,28,

प्रतिकूल दिवस- 1,2,3,11,12,13,19,20,21,28,29,30

राशि के अनुसार दशा- आपको 6 अगस्त से 27 सितम्बर तक 50 दिन की चन्द्र दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय है। इसके बाद 25 अक्टूबर तक 28 दिन की मंगल की दशा रहेगी जो दुःखकारक होगी।

विविधता जीवन का जायकेदार पहलू है। आप स्वयं को ऐसी पार्टियों, सैर-सपाटों व मन बहलाव के कामों में लगायेंगे जिससे आप आनंद उठा सकें और जो आपकी पसंद का हो। इसके बावजूद टाली न जा सकने वाली समस्यायें, विवाद व चिंतायें होगी। आप महसूस करेंगे कि इन परिस्थितियों से अकेले नहीं झूंझ रहें हैं ऐसा सभी के साथ होता है। और इस परिस्थिति का दृढ़ता से मुकाबला करने के लिए आप तैयार होंगे। स्वतंत्र होने की आपकी चाहत, संयम में न बंधे रहने की आपकी इच्छा आपको परिवार व करीबी रिश्तेदारों से दूर ले जायेगी। आप सामूहिक गतिविधियों की ओर आकर्षित और उत्तेजित होंगे। चुनौतियों और खतरों के प्रति आपको क्रोध और रोष का अनुभव हो सकता है जिससे आप जल्दी ही उबर जायेंगे। अपने स्वास्थ्य पर पूरा-पूरा ध्यान दें, लापरवाही से समस्या गम्भीर हो सकती है।

सिंह

नामाक्षर : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

अनुकूल दिवस- 1,2,3,6,7,8,9,10,11,12,1315,16,17, 18,19,20,21,23,24,25,26,27,28,29,30

प्रतिकूल दिवस- 3,4,5,13,14,15,21,22,23,

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप १६ अगस्त से ०६ सितम्बर तक २० दिन की सूर्य की दशा भोग रहे हैं जो कि प्रवासकारक समय है। इसके पश्चात् ०६ सितम्बर से २७ अक्टूबर तक ५० दिन की चन्द्र की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय होगा।

व्यक्तिगत उन्नति और अपार धन सम्पदा कमाना ही आपका प्रमुख ध्येय है। आप समाज में, सबसे ऊँचे स्थान पर बैठने की आकांशा रखते हैं और इसमें कुछ हद तक आपको सफलता भी प्राप्त होगी। पैतृक सम्पत्तियां, घर का नवीनीकरण, पुर्ननिर्माण या जमीन-जायदाद सम्बन्धी सौदे होंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाये तो आपके पास इस समय धन का अभाव तो ना के बराबर ही रहेगा। पारिवारिक सदस्यों एवं जीवन साथी, बच्चों के प्रति आप संवेदनशील एवं भावुक होकर कुछ नया करने का मानस बनायेंगे। परिवार के सदस्यों को खुश करने के लिये आप उचित-अनुचित का ध्यान ना रखते हुए, बहुत सा खर्चा करेंगे। यह समय स्वयं को नये सिरे से चमकाने का है अतः आपको थका देने वाला परिश्रम करना होगा। व्यवसाय व कार्य स्थल पर साझेदारों के साथ मिलकर नयी परियोजनाओं को अंजाम देंगे।

अगस्त में ग्रहों की स्थिति एवं परिवर्तन

सूर्य

16 को सिंह राशि में प्रवेश

मंगल

16 को मेष राशि में प्रवेश

बुध

17 को सिंह राशि में प्रवेश

गुरू

धनु राशि में वक्री गतिशील

शुक्र

01 को कर्क राशि में प्रवेश

शनि

मकर राशि में वक्री गतिशील

राहु (वक्री)

मिथुन राशि में गतिशील

केतु (वक्री)

धनु राशि में गतिशील

कन्या

नामाक्षर : टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

अनुकूल दिवस- 1,2,3,4,5,8,9,10,11,12,13,14,1517,18,19,20,21,22,23, 26,27,28,29,30,

प्रतिकूल दिवस- 6,7,8,15,16,17,23,24,25,

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप 06 जुलाई से 17 सितम्बर तक 70 दिन की शुक्र की दशा भोग रहे हैं जो कि सुखकारक समय हैं। इसके पश्चात् आप 17 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक 20 दिन की सूर्य की दशा रहेगी जो कि प्रवासकारक समय होगा।

इस समय वित्तीय मामले आपका ध्यान आकर्षित करेंगे और आपको सर्वश्रेष्ठ ढंग से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। आपका साथी या प्रिय यह नहीं चाहेगा कि आप उसकी अनदेखी करें या महत्व ना दें। एक साथ कुछ अच्छा वक्त गुजारने के लिए समय निकालना होगा। अपनी जीवंतता को बनाए रखना और अपने स्वास्थ्य का ख्याल करना आपके लिए समझदारी भरा और उचित काम होगा। आप ज्यादा महत्व की चीजें तलाश करेंगे। आप घर बदल सकते हैं, आवास में परिवर्तन कर सकते हैं या कोई अस्थाई निवास ले सकते हैं। यह समय आपमें जबरदस्त साहस व हिम्मत का भाव पैदा करेगा। इस समय प्यार, रोमांस और अच्छा वक्त जो आपको बहुत पसंद है वह आपके लिए खुशियां लायेगा व जीवन में बदलाव लायेगा।

तुला

नामाक्षर : रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

अनुकूल दिवस- 1,2,3,4,5,6,7,8,11,12,13,14,15,16,17, 19,20,21,22,23,24,25,28,29,30,

प्रतिकूल दिवस- 8,9,10,17,18,19,26,27,28,

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 06 अगस्त से 17 अक्टूबर तक 70 दिन की शुक्र की दशा भोग रहे हैं जो कि सुखकारक समय है।

वित्तिय व घरेलू मुद्दे जैसे व्यवहारिक मसलों से निपटना होगा। कुछेक पुख्ता इन्तजाम भी करने होंगे, जायदाद के मसले हल होंगे। आभूषण व साज-सज्जा की वस्तुओं में दिलचस्पी बढ़ेगी। अधिग्रहण व लाभार्जन की भी संभावना है, वित्तिय व पारिवारिक स्थितियां सर्वोपरी होगी। आपके पास अपने बजट को संतुलित करने का समय है। इस समय आपको अपनी सम्पत्ति पहले की अपेक्षा कहीं ज्यादा कीमती महसूस होगी। भौतिक जगत इस समय आपको काफी व्यस्त रखेगा। आपको धन सम्बन्धी मामलों पर ध्यान देना होगा। म्यूचल फंड, शेयर, पूंजी में वृद्धि की नयी-नयी योजनाएं बनायेंगे। आपको और भी ज्यादा कड़ी मेहनत करनी होगी। यह समय सावधानी बरतने व सम्भलकर चलने का है किसी परियोजना को क्रियान्वित करने से पहले उसका भली-भांति अध्ययन कर लें।

वृश्चिक

नामाक्षर : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

अनुकूल दिवस- 3,4,5,6,7,8,9,10,13,14,15,16, 17,18,19,21,22,23,24,25,26,27,28

प्रतिकूल दिवस- 1,2,3,11,12,13,19,20,21,28,29,30

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 24 जुलाई से 06 सितम्बर तक 42 दिन की राहु की दशा भोग रहे जो कि शोककारक समय है। इसके पश्चात् 06 सितम्बर से 16 नवम्बर तक 70 दिन की शुक्र की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय होगा।

यह समय आपके ऊपर उठने के रूझान पर केन्द्रित है। आप बेहतर पद मिलने की आशा करते हैं। यह पदोन्नति नौकरी बदलने, यहां तक के नया कार्यक्षैत्र चुनने के रूप में भी हो सकती है। आप अच्छी आमदनी प्राप्त करेंगे लेकिन असन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आप बात-बात पर गलतियां निकालने या लोगों का जरा भी ख्याल ना रखने की प्रवृत्ति ना अपनायें क्योंकि यह कड़ी मशक्कत, लगन व मेहनत से प्राप्त की हुई आपकी तमाम उपलब्धियों पर पानी फेर देगा। आपको व्यक्तिगत लाभ मिलेंगे लेकिन आप और अधिक पाने की आकांशा करेंगे। आप अपनी पहुंच के दायरे विस्तारित करेंगे।

धनु

नामाक्षर : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

अनुकूल दिवस- 1,2,3,6,7,8,9,10,13,14,15,16,17,18,19,23,24,25,26,27, 28, 29,30,

प्रतिकूल दिवस- 3,4,5,13,14,15,21,22,23

राशि अनुसार दशा- इस समय आप २५ जुलाई से २५ सितम्बर तक ५६ दिन की गुरु की दशा को भोग रहे हैं जो कि धनहानिकारक समय हैं। इसके पश्चात् ०७ अक्टूबर तक ४२ दिन की राहु की दशा रहेगी जो कि शोककारक समय होगा।

अगले वर्ष के पायदान पर चढ़ने के लिये आप अपने पद पर आगे बढ़ने पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। क्योंकि आप अपनी प्रगति को बरकरार रखना चाहते हैं। आपको उपलब्धियां प्राप्त होंगी। आपको घर पर खुशी, सम्बन्धों में निकटता व प्रचुर व्यवसायिक गतिविधियों के रूप में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आपके जीवन में खुशियों के रंग भर जायेंगे। भौतिक लाभ आपको शत-प्रतिशत प्राप्त होंगे। इस समय आप प्रचार, प्रतिद्वन्द्वता व दूसरों से होड़ करने में अग्रणी होंगे। यह काम आप अपने टीम, समूह व सहकर्मियों के साथ मिलकर करेंगे। आपके कार्यों में मतभेद पैदा हो सकते हैं लेकिन आप बहुत आसानी से उन्हें सुलझा लेंगे। आप अपने प्रियजनों की अनदेखी कर इनसे दूर हो जायेंगे। अपनी योजनाओं व विचारों को पूरा करने के लिये प्रियजनों की अनदेखी करना कोई बुद्धिमानी का काम नहीं है।

मकर

नामाक्षर : भो, जा, जी, खी, खे, खो, ग, गी

अनुकूल दिवस-1,2,3,4,5,8,9,10,11,12,13,14,15,17,18,19,20,21,26,27, 28,29,30

प्रतिकूल दिवस- 6,7,8,15,16,17,23,24,25

राशि अनुसार दशा- -इस समय आप 26 जुलाई से 25 सितम्बर तक 58 दिन की गुरु की दशा को भोग रहे हैं जो कि धनहानिकारक समय हैं। इसके पश्चात् 06 नवम्बर तक 42 दिन की राहु की दशा रहेगी जो कि शोककारक समय होगा।

इस माह आप हद तक व्यस्त रहने की कोशिश करेंगे और आप इसका भरपूर आनंद लेने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। इसलिए मन में जरूरत से ज्यादा काम के प्रति उपजने वाली चेतावनी का आना स्वाभाविक है। आपमें किसी चीज को आजमाने की तत्परता होगी। दिल के मामले में असाधारण गतिविधियों की बाढ़ सी आ जायेगी। आप जीवन का भरपूर आनंद लेना चाहेंगे। वैवाहिक व पारिवारिक स्तर पर भी ज्यादा जुड़ाव होगा। आप विचार और तर्कपूर्ण जीवन चाहते हैं। सच्चाई और गहराई के साथ इसे पाने के लिए प्रयत्नशील हैं। सत्य, वास्तविकता, कार्य, प्यार, दर्शन की दुर्लभ और शक्तिशाली अंतर्दृष्टि इस माह आपको पुरस्कार रूप में मिलेगी। नये जमाने के मुताबिक रहन-सहन और वैकल्पिक जीवन शैली पर ध्यान केन्द्रित होगा।

कुंभ

नामाक्षर : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

अनुकूल दिवस- 1,2,3,4,5,6,7,8,11,12,13,14,15,16,17,19,20,21,22,23, 24,25,28,29,30

प्रतिकूल दिवस- 8,9,10,17,18,19,26,27,28

राशि अनुसार दशा- आप 27 अगस्त से 25 अक्टूबर तक 58 दिन की गुरु की दशा को भोग रहे हैं जो सुखकारक समय है।

कार्यों की ओर रूझान होगा। अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक छवि को चमकायेंगे। समय आपको सफल होने के ज्यादा मौके देगा। इसके लिए अपने आत्मविश्वास और दृढ़ धारणा का आभार मानिये। यह समय आपको ऊर्जा और उत्साह से भर देगा। घर परिवार में क्लेश की स्थिति उत्पन्न होगी लेकिन आप उस पर नियंत्रण पाने में सक्षम होंगे। प्रबंधन, वार्ताओं, कूटनीतिज्ञता के बारे में जानना समझना आपके लिए फायदेमंद होगा। संतुष्टि और प्रगति का एक शानदार दौर आपको मिलेगा और यह आपके जीवन में नया सवेरा और रोशनी लेकर आयेंगे। आपमें सहनशीलता और दूसरों का ख्याल रखने का नजरिया विकसित होगा। आपके व्यवहार में विनम्रता आयेगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें।

नामाक्षर : दी, दू, थ, झ, ज, दे, दो, चा, ची

मीन

अनुकूल दिवस- 3,4,5,6,7,8,9,10,13,14,15,16,17,18, 19,21,22,23,24,25,26,27,28

प्रतिकूल दिवस- 1,2,3,11,12,13,19,20,21,28,29,30

राशि अनुसार दशा- आपको २१ अगस्त से २७ सितम्बर तक ३६ दिन शनि की दशा रहेगी जो शोककारक समय है। इसके बाद २४ नवम्बर तक ५८ दिन की गुरु की दशा रहेगी जो सुखकारक समय होगा।

संयुक्त वित्त, ऋण, अर्जित आय, महत्वपूर्ण दस्तावेज, स्वास्थ्य समस्या के लिए महत्वपूर्ण समय होगा। सभी स्तरों पर और खासकर आपके काम-धंधे में काम पर काफी जोर होगा। आप कई वजहों व कारणों से व्यस्त रहेंगे। इस समय परिणामों और पुरस्कारों से आप संतुष्टि पायेंगे। आपको अपनी क्षमता का स्तर सुधारना होगा। कार्य को अच्छी तरह और जल्दी करना होगा। साथ ही परिवार के साथ मिलजुल कर काम करना सीखना होगा। आप गठबंधन, गठजोड़, घर परिवार, प्रियजनों के प्रति जुड़ाव को ज्यादा दृढ़ बनाने के प्रति दृढ़ संकल्पित होंगे। आप जिन लोगों के लिए फिक्र मंद रहते हैं उनके साथ ज्यादा निकटता लाने के लिए तैयार रहें। संयम, आत्म नियंत्रण और समझौता करने व त्याग की इच्छा मुसीबतों से उभारने में सहायक होगी।

शुभ एवं अशुभ समय का ज्ञान

राहु काल/यमगंड काल में शुभ कार्य करना, यात्रा करना, सौदा करना, किसी भी अच्छे कार्य के लिए इस समय को टालना ही हित में हैं। जबकि गुलिक काल में शुभ कार्य करना श्रेष्ठ रहता है।

	गुलिक काल (शुभ)	यमगंड काल (अशुभ)	राहुकाल (अशुभ)
वार	प्रारम्भ समाप्त	प्रारम्भ समाप्त	प्रारम्भ समाप्त
सोम	01-30 से 03-00	10-30 से 12-00	07-30 से 09-00
मंगल	12-00 से 01-30	09-00 से 10-30	03-00 से 04-30
बुध	10-30 से 12-00	07-30 से 09-00	12-00 से 01-30
गुरु	09-00 से 10-30	06-00 से 07-30	01-30 से 03-00
शुक्र	07-30 से 09-00	03-00 से 04-30	10-30 से 12-00
शनि	06-00 से 07-30	01-00 से 03-00	09-00 से 10-30
रवि	03-00 से 04-30	12-00 से 01-30	04-30 से 06-00

नियम

पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाओं का सर्वाधिकार ''विश्व तंत्र-ज्योतिष'' का है। ''विश्व तंत्र ज्योतिष'' में प्रकाशित लेख, चित्र एवं टिप्पणियों से संपादक अथवा संपादक मण्डल का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। प्रकाशित सामग्री पर प्रकाशक का अधिकार है अतः बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की सामग्री अथवा अंश का प्रकाशन गैरकानूनी है। पत्रिका में प्रकाशित किसी भी लेख के बारे में वाद-विवाद या कोई तर्क मान्य नहीं होगा और न ही उसके लिए लेखक, प्रकाशक अथवा संपादक जिम्मेदार होगा। सभी प्रकार के वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र जोधपुर ही मान्य होगा।

पत्रिका में प्रकाशित सभी साधना प्रयोगों के मार्गदर्शन में प्रमाणिकता का प्रयास सर्वोपरि रहता है, फिर भी जिज्ञासु पाठक एवं साधक अपने गुरू या योग्य मार्गदर्शक की देख-रेख में ही साधना प्रयोग सम्पन्न करें। कोई भी व्यक्ति ऐसे साधना प्रयोग न करें जो नैतिक, सामाजिक एवं कानूनी नियमों के विरूद्ध हों। पत्रिका में प्रकाशित साधनाओं एवं प्रयोगो को आप अपनी जिम्मेदारी पर करें। इन प्रयोगों से किसी प्रकार का लाभ अथवा हानि के लिये पत्रिका जिम्मेदार नहीं होगी। इस संबंध में किसी भी प्रकार की आलोचना या आपत्ति स्वीकार्य नहीं है। पत्रिका, संपादक मण्डल, प्रकाशक इस सम्बन्ध में किसी प्रकार की जिम्मेदारी का वहन नहीं करेंगे।

किसी भी लेख से संबंधित प्रमाण/उद्दरण यथासंभव पुराणों से, ग्रंथों से, विभिन्न लेखकों की पुस्तकों से लिये जाते हैं। यह संभव नहीं है कि उन ग्रंथों में भी वह प्रमाण अकाट्य हो। आप अपनी समझ से, बुद्धि से उन प्रमाणों को अपनी कसौटी पर परखने के बाद स्वीकार करें। यदि कोई बात अथवा लेख आपकी कसौटी पर खरा नहीं उतरता है तो कृपया उसे आप कपोल-कल्पित माने या न माने, यह आपकी स्वतंत्रता है।

पत्रिका में प्रकाशित प्रयोगों की सामग्री, विभिन्न यंत्र आदि या अन्य कोई भी सामग्री आप अपनी इच्छा से कहीं से भी प्राप्त कर सकते हैं। पत्रिका किसी भी सामग्री को उपलब्ध करवाने के लिये जिम्मेदार नहीं है। हम मात्र प्रयास भर कर सकते हैं। पत्रिका अपनी उपहार योजनाओं को कभी भी परिवर्तित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। पत्रिका कार्यालय से सामग्री मंगवाने पर हम अपनी तरफ से प्रामाणिक और सही सामग्री अथवा यंत्र भेजते हैं, पर फिर भी उसके बाद में असली या नकली के बारे में अथवा प्रभाव होने या न होने के बारे में हमारी जिम्मेवारी नहीं होगी। पाठक अपने विश्वास पर ही ऐसी सामग्री पत्रिका कार्यालय से मंगवायें। (प्रकाशक)

गृह–क्लेश निवारण कवच

प्रायः हर व्यक्ति आज तनावग्रस्त हैं, संयुक्त परिवार में जहाँ सास-बहू , ननद-भाभी के झगड़ो को गृह-क्लेश का कारण बनाकर लोगो ने आये दि पति-पत्नी मे अनबन, तो बच्चों मे तकरार, गृह-क्लेश तो पीछा ही नहीं छोड़ रहा, यदि आप की तमन्ना है,कि घर मे खुशियाँ हो अपार, सुख-शांति का हो वास तो क्यों है उदास हैं आपके पास..............

न्यौछावर राशि 2100/- रू.

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें–

त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र

'त्रिनेत्र भवन' प्लोट नम्बर–1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज के मैन गेट के पास, जोधपुर (राज.)

फोनः 0291–2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्सः 0291–2618625

E-mail: tantravtj@yahoo.com Visit us: fameandfortune.org